Class - VI (Hindi 2nd lang)

## वन के मार्ग पर

प्रश्न -1)- नगर से बाहर निकलकर दो पग चलने के बाद सीता की क्या दशा हुई?

उत्तर:- नगर से बाहर निकलकर दो पग चलने तक ही सीता अपने धैर्य को धर पाई थी। थोड़ी ही देर में सीता थकान महसूस करने लगती है और उसके माथे पर पसीने की बूँदे झलकने लगती है।

प्रश्न -2) 'अब और कितनी दूर चलना है, पर्णकुटी कहाँ बनाइएगा'- किसने किससे पूछा और क्यो?

उत्तर) यह कथन सीताजी ने रामचंद्र से पूछा। सीता पर्णकुटी बनाने की बात इसलिए पूछ रही थी क्योंकि वह पैदल चलने के कारण थक गई थी। थकान और प्यास से उसका गला तथा होंठ सूखने लगे थे।

प्रश्न 3) राम ने थकी हुई सीता की क्या सहायता की?

उत्तर) राम ने थकी हुई सीता के बेचैनी और थकान को देखकर ~~व्याकुल~~ व्यथित हो उठे वे सीता के साथ थोड़ी देर छाए में बैठकर विश्राम करने लगे। नंगे पाँव चलने के कारण सीता के पैरों में काँटे चुभे हुए थे। अतः राम सीता के पैरों से चुभे हुए काँटो को निकालकर सीता को राहत पहुँचाई।

प्र5. दोनों सवैयों के प्रसंगों में अंतर स्पष्ट करो

उत्तर:- पहले प्रसंग में राम तथा सीता के वन गमन के दृश्य का चित्रण हुआ है तथा सीता के श्रम का वर्णन हुआ है। सीता की थकान और प्यास को देखकर उधर राम के सुंदर आँखों से आँसू बहने के दृश्य का चित्रण हुआ है।

दूसरे प्रसंग में सीता और राम के प्रेम को दर्शाया गया है। सीता के वन के मार्ग में नंगे पाँव चलने के कारण पाँव में काँटे चुभे हुए थे। चुभे हुए काँटो को राम के निकालने पर सीता का तन पुलकित हो जाता है और उसके आँखों से खुशी के आँसू निकल आते हैं।

— o —